

भारत में रविर क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देगा दुनिया का सबसे लंबा रविर क्रूज 'गंगा वलास'

चर्चा में क्यों?

8 जनवरी, 2023 को केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री सरबानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 जनवरी, 2023 को वाराणसी में एमवी गंगा वलास के साथ दुनिया की सबसे लंबे रविर क्रूज का शुभारंभ भारत के लिये रविर क्रूज पर्यटन के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक होगा।

प्रमुख बिंदु

- यह लग्जरी क्रूज भारत और बांग्लादेश के 5 राज्यों में 27 नदी प्रणालियों में 3,200 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगा।
- एमवी गंगा वलास क्रूज को दुनिया के सामने देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये सुसज्जित किया गया है। विश्व वरिष्ठ स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों, नदी घाटों, और बिहार में पटना, झारखंड में साहबिगंज, पश्चिम बंगाल में कोलकाता, बांग्लादेश में ढाका और असम में गुवाहाटी जैसे प्रमुख शहरों सहित 50 पर्यटन स्थलों की 51 दिनों की क्रूज यात्रा की योजना बनाई गई है।
- एमवी गंगा वलास के यात्रा कार्यक्रम को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व के स्थानों पर रुकने के साथ भारत की समृद्ध वरिष्ठ को प्रदर्शित करने के लिये तैयार किया गया है।
- वाराणसी में प्रसिद्ध 'गंगा आरती' से, यह बौद्ध धर्म की महान श्रद्धा के स्थान सारनाथ में रुकेगा। यह मायों को भी कवर करेगा, जो अपनी तांत्रिक विद्या के लिये जाना जाता है और माजुली, सबसे बड़ा नदी द्वीप और असम में वैष्णव संस्कृतिका केंद्र है। यात्री बिहार स्कूल ऑफ योग और विक्रमशिला विश्वविद्यालय भी जाएंगे, जसिसे उन्हें आध्यात्मिकता व ज्ञान में समृद्ध भारतीय वरिष्ठ से रूबरू होने का मौका मिलेगा।
- यह क्रूज रॉयल बंगाल टाइगर के लिये प्रसिद्ध बंगाल डेल्टा की खाड़ी में सुंदरबन के जैव विविधता से भरपूर विश्व धरोहर स्थलों के साथ-साथ एक सींग वाले गैंडों के लिये प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से भी गुजरेगा।
- एमवी गंगा वलास क्रूज 62 मीटर लंबा, 12 मीटर चौड़ा है और 1.4 मीटर के ड्राफ्ट के साथ चलता है। इसमें तीन डेक हैं, 36 पर्यटकों की क्षमता वाले बोर्ड पर 18 सुइट हैं, जसिमें पर्यटकों के लिये एक यादगार और शानदार अनुभव प्रदान करने के लिये सभी सुविधाएँ हैं।
- जहाज अपने मूल में स्थायी सदियों का पालन करता है, क्योंकि यह प्रदूषण मुक्त प्रणाली और शोर न्यंत्रण तकनीकों से लैस है। एमवी गंगा वलास की पहली यात्रा में सविटजरलैंड के 32 पर्यटक वाराणसी से डब्ल्यूगढ़ तक की यात्रा का आनंद लेंगे। एमवी गंगा वलास के डब्ल्यूगढ़ पहुँचने की संभावित तिथि 1 मार्च, 2023 है।
- उल्लेखनीय है कि एमवी गंगा वलास क्रूज अपनी तरह की पहली क्रूज सेवा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के सहयोग से इस सेवा की सफलता से उद्यमियों को देश के अन्य हिस्सों में रविर क्रूज का लाभ उठाने के लिये उत्साहित होने की संभावना है।
- वैश्विक रविर क्रूज बाजार पछिले कुछ वर्षों में 5 प्रतिशत की दर से बढ़ा है और 2027 तक क्रूज बाजार के 37 प्रतिशत तक पहुँचने की उम्मीद है। विश्व में यूरोप रविर क्रूज जहाजों के मामले में लगभग 60 प्रतिशत भागीदारी के साथ विकास कर रहा है।
- भारत में, कोलकाता और वाराणसी के बीच 8 नदी क्रूज जहाजों का संचालन होता है, जबकि राष्ट्रीय जलमार्ग 2 (ब्रह्मपुत्र) पर क्रूज की आवाजाही भी संचालित होती है। देश में कई जगहों पर रविर राफ्टिंग, कैम्पिंग, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, कयाकगि आदि जैसी पर्यटन गतिविधियाँ संचालित हैं।
- राष्ट्रीय जलमार्ग 2 पर 10 यात्री टर्मिनलों का निर्माण किया जा रहा है जो रविर क्रूज की संभावना को और बढ़ा देगा। वर्तमान में, राष्ट्रीय जलमार्ग 2 में चार नदी क्रूज जहाज काम कर रहे हैं, जबकि यह राष्ट्रीय जलमार्ग 3 (वेस्ट कोस्ट कैनल), राष्ट्रीय जलमार्ग 8, राष्ट्रीय जलमार्ग 4, राष्ट्रीय जलमार्ग 87, राष्ट्रीय जलमार्ग 97, और राष्ट्रीय जलमार्ग 5 में सीमित क्षमता में काम कर रहा है।
- अब जबकि अंतरदेशीय जलमार्गों में क्षमता निर्माण के लिये पूंजीगत व्यय को बढ़ाया जा रहा है, अर्थव्यवस्था के लिये एक व्यवस्थित फॉरवर्ड और बैकवर्ड के लॉजिस्टिक्स के साथ नदी क्रूज, विशेष रूप से नदियों के दोनों किनारों पर विकसित होने के लिये तैयार है।